दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 02-08-2023

आयोजन • नेपा मिल में मनाया राष्ट्रीय कागज दिवस, संस्थान के महाप्रबंधक आर. अलागेशन ने कहा-

कागज के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए करेंगे प्रोत्साहित

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेपा लिमिटेड में मंगलवार को राष्ट्रीय कागज दिवस मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक के स्थान पर कागज के उपयोग को बढ़ावा देना और पर्यावरण हित में इसे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है।

मुख्य वक्ता के रूप में संस्थान के महाप्रबंधक तकनीकी आर. अलागेशन ने दैनिक जीवन में कागज की उपयोगिता और महत्व बताते हुए कहा आज के डिजिटल युग में कागज की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका और उपयोगिता है। कागज का उपयोग करना पर्यावरण के अनुकूल है। कागज पूरी तरह से एक पुर्नचक्रण योग्य उत्पाद है। इसे सतत उपयोग करने के बाद आसानी से रिसाइकिल किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। इसका समुचित निपटान भी अत्यंत जटिल प्रक्रिया है। उन्होंने कहा जागरूकता के अभाव में यह सामान्य मिथक है कि कागज उत्पादन के लिए वनों को काटा जाता है और पर्यावरण को नुकसान होता है। जबकि प्रायोगिक यथार्थ यह है कि वर्तमान में अधिकांश कागज पुर्नचक्रण प्रक्रिया द्वारा बनाया जाता है। कागज उत्पादन अब शत प्रतिशत वनों की कटाई पर निर्भर नहीं है। कुछ कागज निर्माता इकाइयां पर्यावरण संरक्षण के मापदंडों का पालन करते हुए वर्जिन फाइबर के लिए ट्री फार्मिंग करती हैं। यहां फार्मिंग वृक्षों का सीमित क्षेत्रफल में उपयोग कर पुनचक्रण किया जाता है। इस अवसर पर नेपा लिमिटेड के उप महाप्रबंधक कार्य सुरेंद्र मेहता, वरिष्ठ प्रबंधक औद्योगिक संरक्षा किशन पटेल, वरिष्ठ प्रबंधक विद्युत सुमन कानफाड़े, प्रबंधक कार्मिक प्रशासन तथा पावर हाउस महेंद्र केसरी, प्रबंधक विक्रय एवं विपणन प्रशांत बैथालू, प्रबंधक पेपर मशीन कुमार देशमुख, प्रबंधक मैकेनिकल आरडी जाधव और जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

अफसर-कर्मचारियों से चर्चा करते महाप्रबंधक तकनीकि आर. अलागेशन।

भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम नेपा लिमिटेड में राष्ट्रीय कागज दिवस मनाया

नेपानगर ■ ध्रुव वाणी।

इस दिवस का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक के स्थान पर कागज के उपयोग को बढ़ावा देने और पर्यावरण हित में इसे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में संस्थान के महाप्रबंधक (तकनीकि) राम अलागेसन द्वारा दैनिक जीवन में कागज की उपयोगिता और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में कागज की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका और उपयोगिता हैं। कागज का उपयोग करना पर्यावरण के अनुकूल हैं। कागज पूरी तरह से एक पुनर्चक्रण योग्य उत्पाद हैं जिसे सतत उपयोग करने के पश्चात आसानी से रिसाइकिल किया जाता हैं। वही दूसरी ओर प्लास्टिक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के साथ ही इसका समुचित निपटान एक अत्यंत जटिल प्रक्रिया हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुएं उन्होंने कहा कि जागरूकता के अभाव में यह सामान्य मिथक हैं कि कागज उत्पादन हेतु वनों को काटा जाता है और पर्यावरण का नुकसान होता हैं जबकि,

प्रायोगिक यथार्थ यह है कि वर्तमान में अधिकांश कागज पुनर्चक्रण प्रक्रिया द्वारा उत्पादित किया जाता हैं अर्थात् कागज उत्पादनअब शत प्रतिशत वनो की कटाई पर निर्भर नही हैं। कुछ कागज निर्माता इकाइयां पर्यावरण संरक्षण के मापदंडों का पालन करते हुएं वर्जिन फाइबर हेतु ट्री फार्मिंग करते हैं, जहां पर फार्मिंग वृक्षों का सीमित क्षेत्रफल में उपयोग कर पुनर्चक्रण किया जाता हैं। अवसर पर नेपा लिमिटेड के उप महाप्रबंधक (कार्य) सुरेंद्र मेहता, वरिष्ठ प्रबंधक (औद्योगिक संरक्षा) किशन पटेल, वरिष्ठ प्रबंधक (विद्युत) सुमन कानफाड़े, प्रबंधक, कार्मिक प्रशासन तथा पावर हाउस महेंद्र केसरी, प्रबंधक विक्रय एवं विपणन, प्रशांत बैथालू, प्रबंधक पेपर मशीन) कुमार देशमुख, प्रबंधक (मैकेनिकल) आर डी जाधव सहित कई अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।